PRAJAPITA BRAHMA KUMARIS ISHWARIYA VISHWA VIDYALAYA
Founded in 1937 by World Almighty Authority Incorporeal Supreme Father
God Shiva through the Medium of Prajapita Brahma.

Supreme Father
God Shiva

Local Centre :
Brahma Kumaris, Vishwa Shanti Bhawan
Rajpura Chauraha
Bhadohi - 221401 (U.P.)
Tel : 05414-224947, Mob : 9452925281
Email : bhadohi@bkivv.org

Headquarters :
Brahma Kumaris, Pandav Bhawan
Dadi Prakashmani Marg
Mount Abu - 307501 (Raj.)
Tel : 02974-238261 to 64
Website : www.brahmakumaris.com

प्रेस विज्ञप्ति

Date - 28/02/18

शिविर का पांचवां दिन

समय ठहर गया, सांसे थम गई, जब कराई ब्रह्माण्ड की सैर
मन पंछी बन उड़ गया और सभी पहुंच गए चांद-सितारों के पार
ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने आत्मा के असली घर की सैर कराई
शौर्य और साहस के प्रदर्शन का संकेत देती है विपरीत परिस्थितियां - पूनम बहन
विशेष : कल मनाया जाएगा आनंद उत्सव, इस उत्सव में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
नई ऊंचाईयों पर पहुंचा अलविदा तनाव शिविर

भदोही। सनबीम स्कूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सौजन्य से चल रहे 12 दिवसीय अलविदा तनाव शिविर के पांचवे दिन अलविदा तनाव शिविर नई ऊंचाईयों पर पहुंच गया। इस दिन उपस्थित विशाल जनसमूह को देखकर कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि पूरा शहर अध्यात्म की रोशनी में नहा गया है। इस रौशनी में जिनके मनों में एक दूसरे के प्रति जो कड़ावाहट और घृणा भरी हुई थी वह सब धूल गए। सभी का मानों जैसे एक नया जन्म हुआ और सबके मनों में एक-दूसरे के प्रति प्यार और सम्मान जाग गया। सभी के निराशा भरे मनों में उमंग-उत्साह का संचार करने वाली देश की प्रख्यात तनावमुक्ति विशेषज्ञा ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ये दुनिया एक मुसाफिर खाना है। यहां कुछ समय के लिए व्यक्ति आता है और चला जाता है। पर हमने इस नश्वर संसार को ही अपना घर समझ लिया। हम मिट्टी से खेलने के चक्कर में यह भूल गए कि हमारा अपना असली घर कहां है। जबकि हमारा असली घर परमधाम है।

राजयोग मेडिटेशन का कराया अभ्यास

उन्होंने राजयोग मेडिटेशन के द्वारा से सभी साधकों को आत्मा के असली घर परमधाम की सैर कराई। इससे सभी साधकों को असीम शांति का अनुभव हुआ एवं वे चांद-सितारों से दूर एक शांत वातावरण में पहुंच गए।

बदलते समय के लिए हमेशा तैयार रहें

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए पूनम बहन ने कहा कि जब परिस्थितियां हमारे लिए मुश्किलों के पहाड़ खड़ी करने लगे, जब हर दांव हमारे विरूद्ध पड़ने लगे, जब जीवन का आकाश काले बादलों से आच्छन्न

The Brahma Kumaris is a Non-Government Organisation (NGO) affiliated to the Department of Public Information (DPI) of the United Nation. It has General Consultative Status with the UN Economic & Social Council (ECOSOC) & UNICEF.

हो जाए और तुम्हें कहीं से भी प्रकाश की किरण नहीं दिखाई दे तो समझ लो तुम्हारे शौर्य और साहस के प्रदर्शन का समय आ गया है। यह बताने का समय आ गया है कि तुम किस धातु के बने हो। विपरीत परिस्थितियों में प्राप्त की गई सफलता ही मनुष्य के कौशल की कसौटी है। जब भी जीवन में ठहराव, निरसता महसूस करें, नए आयाम खोजना शुरू कर दें, बदलते समय के लिए तैयार रहे। गिरने का शोक मत कीजिए, गिरना दुर्भाग्य नहीं है। गिरकर उठने की कोशिश न करना दुर्भाग्य है।

जीवन की खुशियों को नष्ट कर देती है....

उन्होंने आगे कहा कि आगे बढ़ने के लिए जीवन में आकांक्षा एवं कामनाएं जरूरी है। जो व्यक्ति जीवन में कामनाएं रखता है वही आगे बढ़ता है। यह ठीक है किन्तु अतिमहत्वाकांक्षी होना भी ठीक नहीं है। यह जीवन की खुशियों को नष्ट कर देती है व जीवन एक बोझ बन जाता है। उपरोक्त बात पूनम बहन ने अलविदा तनाव शिविर के पांचवें दिन कही।

सुखी जीवन का आधार है निष्काम कर्म

इस मौके पर बहन ने सुखी एवं खुशहाल जीवन के लिए गीता के माध्यम से निष्काम कर्म करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह सृष्टि एक रंगमंच है और हम सभी इस पर अपनी भूमिका निभाने वाले कलाकार हैं। इस रंगमंच पर हम सभी कलाकार अपनी-अपनी भूमिकाएं निभा रहे हैं। किसी के भी अभिनय में कोई दोष नहीं है। तनाव तो तब पैदा होता है जब हम एक-दूसरे के अभिनय में दोष देखते हैं। यदि हमें तनाव से मुक्ति पाना है तो हमें इसमें दोष देखना बंद करना होगा। रंगमंच के इस अभिनय को मात्र साक्षी दृष्टा होकर देखना होगा, इसका आनंद लेना होगा। इसके अलावे सुखी जीवन के लिए निष्काम भाव से कर्म करने की प्रवृत्ति अपनाना होगा। निष्काम भाव से किए गए कार्य अथवा मेहनत के फल को प्रभु को अर्पण करना होगा। तभी हमारा कर्मक्षेत्र सुखों की खान बन सकेगा।

वेरायटी वर्ल्ड ड्रामा में वेरायटी खेल

शिविर में पूनम बहन ने श्रीमद भागवत गीता के निष्काम कर्म की विस्तृत व्याख्या भी की एवं इस सृष्टि को और विश्व को वेरायटी वर्ल्ड बताया। उन्होंने कहा यह सृष्टि वैरायटी वर्ल्ड ड्रामा है जिसमें वेरायटी खेल हैं। इस खेल में वेरायटी स्वभाव, संस्कार वाली आत्माएं हैं। वैरायटी सीन है। इसलिए हमें इस खेल का आनंद लेना चाहिए व अपने कार्यों को खेल ही बनाना चाहिए।

कल शिविर का विशेष आकर्षण होगा आनंद उत्सव जिसमें सीधे परमात्मा से साधकों की बातें करवाई जाएगी। इसलिए आज पूनम बहन ने सभी को सपरिवार सहित आने का निमंत्रण दिया।

शिविर का समय	:	प्रात: 7 बजे से 8:30 तक।
शिविर स्थल	:	सनबीम स्कूल, रजपुरा-औराई रोड।
आयोजक	:	प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय।